

✧x°** *°x✧

आरती: श्री शनिदेव – जय जय श्री शनिदेव (Shri Shani Dev Ji)

✧x°** *°x✧

॥ आरती: श्री शनिदेव ॥

जय जय श्री शनिदेव भक्तन हितकारी ।
सूरज के पुत्र प्रभु छाया महतारी ॥
॥ जय जय श्री शनिदेव.. ॥

श्याम अंक वक्र दृष्ट चतुर्भुजा धारी ।
नीलाम्बर धार नाथ गज की असवारी ॥
॥ जय जय श्री शनिदेव.. ॥

क्रीट मुकुट शीश रजित दिपत है लिलारी ।
मुक्तन की माला गले शोभित बलिहारी ॥
॥ जय जय श्री शनिदेव.. ॥

मोदक मिष्ठान पान चढ़त हैं सुपारी ।
लोहा तिल तेल उड़द महिषी अति प्यारी ॥
॥ जय जय श्री शनिदेव.. ॥

देव दनुज ऋषि मुनि सुमरिन नर नारी ।
विश्वनाथ धरत ध्यान शरण हैं तुम्हारी ॥
॥ जय जय श्री शनिदेव.. ॥



॥ Shri Shani Dev Ji ॥

Jay Jay Shri Shanidev Bhaktan Hitakari,
Surya Ke Putra Prabhu Chhaya Mahatari ॥
॥ Jay Jay Shri Shanidev..॥

Shyam Ank Vakra Drishta Chaturbhuja Dhari,
Neelambar Dhara Nath Gaj Ki Asavari ॥
॥ Jay Jay Shri Shanidev..॥

Krit Mukut Shish Rajit Dipat Hai Lilarari,
Muktan Ki Mala Gale Shobhit Balihari ॥
॥ Jay Jay Shri Shanidev..॥

Modak Mishtan Paan Chadhat Hain Supari,
Loha Til Tel Udad Mahishi Ati Pyari ॥
॥ Jay Jay Shri Shanidev..॥

Dev Danuj Rishi Muni Sumarin Nar Nari,
Vishwanath Dharat Dhyan Sharan Hain Tumhari ॥
॥ Jay Jay Shri Shanidev..॥



Free download PDF of all types of mantra, stotram,vandana,arati: chalisapdf.net